Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

St. Mary's Convent Inter College , Prayagraj

First Terminal Examination 2024-25

Time: 3hrs | **Class – 9** | **M.M :80**

Hindi

Name ..... **Roll No**..... **Date**.....

प्रश्न1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

क- जीवन में खेलकूद मनोरंजन प्रदान करने के साथ-साथ सुख-समृद्धि भी देते हैं। विद्यार्थी जीवन में इनकी उपयोगिता बहुत अधिक है।

ख- 'परोपकार की भावना लोक-कल्याण से पूर्ण होती है। हमे भी परोपकार में भरा जीवन ही जीना चाहिए। विषय को स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखिए।

ग - "स्वच्छता अभियान में सरकारी तन्त्र की अपेक्षा नागरिको की जागरूकता अधिक प्रभावपूर्ण मानी जाती है। जनता के सहयोग से ही देश स्वच्छ व सुन्दर बन सकता है।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट करें।

घ- एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसके अन्त में यह स्पष्ट हो "जाको राखे साइयाँ, मार सके न कोय।"

प्रश्न-2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

क- छात्रावास में अच्छे मित्रों का चयन करने व पढ़ाई पर ध्यान देने हेतु अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

ख- किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर नगर के जल संस्थान द्वारा जलापूर्ति में की जाने वाली गड़बड़ियों की ओर जल निगम के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराइए।

प्रश्न3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए। (10)

एक बार महाराज कृष्णदेव राय ने अपने राज्य का वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया, उसमें आस-पास के राजाओं को भी आमन्त्रित किया गया। सभी ने उन्हें कीमती उपहार दिए। उपहारों में चार कीमती फूलदान भी थे, जो एक राजा ने दिए थे। महाराज को फूलदान इतने अधिक मन भाए कि उन्होंने उनकी सुरक्षा के लिए अलग से एक सेवक तैनात कर दिया और उसे सख्त आदेश दिया कि यदि फूलदानों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही हुई या वे टूट गए, तो उसे मृत्यु दण्ड दिया जाएगा।

वह सेवक दिन-रात उनकी हिफाजत करता था। उन पर धूल भी नहीं लगने देता था, लेकिन बदकिस्मती से एक दिन अचानक एक फूलदान उसके हाथ से छूटकर टूट गया। खबर सुनते ही महाराज आग-बबूला हो गए और उन्होंने इस लापरवाह सेवक को आठवें दिन फाँसी देने का आदेश दे दिया। तेनालीराम को जब यह पता चला, तो उन्होंने महाराज को समझाने की कोशिश की कि रामसिंह बीस वर्षों से उनकी सेवा में है, उसे इतने मामूली नुकसान का इतना कठोर दण्ड देना उचित नहीं है। महाराज ने उनकी एक न सुनी। वे अपना-सा मुँह लेकर लौट आए, लेकिन उन्होंने उस सेवक की प्राण-रक्षा का संकल्प कर लिया। वे कारागार में गए, सेवक से सारी बात की, जानकारी ली और उसके कान में कुछ कहकर चले आए। दिन तेजी से बीते और फाँसी वाला दिन आ गया। उस दिन सभी फाँसी गृह में एकत्रित हुए। महाराज अभी भी

क्रोध में थे और सेवक को फाँसी पर झूलता देखना चाहते थे। सेवक को फाँसी के तख्ते पर चढ़ा दिया गया और जब जल्लादों ने उससे उसकी अन्तिम इच्छा पूछी, तो सेवक ने कहा- "मैं बाकी बचे वे फूलदान भी देखना चाहता हूँ, जिनकी वजह से मैं फाँसी पर चढ़ाया जा रहा हूँ।" महाराज की अनुमति से तीनों फूलदान उसके सम्मुख लाए गए।

उसने आव देखा न ताव और उन फूलदानों को जमीन पर पटककर चूर-चूर कर दिया। महाराज के क्रोध की सीमा न रही और उन्होंने गुस्से में तेजी से चिल्लाते हुए पूछा "मूर्ख ! ये कीमती फूलदान क्यों तोड़ दिए तुमने-क्या मिला तुम्हें इन्हें तोड़कर?" "तीन निर्दोषों का जीवन महाराज।" वह निर्भीकता से बोला- "जिस प्रकार मैं निर्दोष फूलदानों के कारण फाँसी पर चढ़ाया जा रहा हूँ, कभी-न-कभी मेरी तरह तीन और लोग भी फाँसी पर चढ़ाए जा सकते थे। ये फूलदान मनुष्यों के जीवन से अधिक कीमती नहीं हैं, महाराज!" उसकी बात सुनकर उन्हें तुरन्त आभास हो गया कि क्रोध में वे कैसा अनर्थ करने जा रहे थे। उन्होंने फौरन सेवक की फाँसी स्थगित कर दी।

क- महाराज कृष्णदेव राय को किसी राज्य के राजा ने क्या कीमती उपहार दिए?

ख- महाराज द्वारा तैनात किए गए सेवक को क्या आदेश दिया गया तथा उससे क्या शर्त जुड़ी थी?

ग- सेवक द्वारा एक फूलदान टूट जाने पर महाराज कीक्याप्रतिक्रिया थी तथा सेवक के हित में किसने और क्या बात की?

घ- मृत्यु दण्ड के निर्णय को लेकर तेनालीराम की क्या सोच थी? उन्होंने क्या संकल्प लिया? स्पष्ट कीजिए।

ङ- सेवक की फाँसी वाले दिन फाँसी गृह में क्या हुआ? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(क) 'निश्चेष्ट' का विलोम बताइए। (1)

(a) सतर्क. (b) प्रवेष्ट

(c) सचेष्ट. (d) सजग

ख- 'तालाब' का पर्यायवाची बताइए।

(1)

(a) सरि-सरिता (b) सर-सरोवर

(c) तड़ाग-पराग (d) पोखर-पाथर

ग- 'काला' की भाववाचक संज्ञा बताइए।

(1)

(a) काली b) कलिमा

(c) कलात्मक. (d) कालिमा

घ- 'भारत' का विशेषण बताइए। (1)

(a) भारतीयता. (b) भारतवर्ष

(c) भारती (d) भारतीय

ङ- 'अभिलासा' का शुद्ध रूप बताइए। (1)

(a) अभिलाशा. (c) अभीलाषा

(b) अभलाषा. (d) अभिलाषा

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

च- 'घी के दीये जलाना' मुहावरे का अर्थ बताइए। (1)

(a) दिवाली मनाना. (c) खुशी मनाना

(b) पूजा-अर्चना करना. (d) बहुत प्रसन्न होना

छ- निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए। (1)

क- धर्म का मानव मन पर प्रभाव पड़ता है।

(वाक्य में 'प्रभावित' शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) धार्मिक मानव सबको प्रभावित करता है।

(b) धर्म मानव मन को प्रभावित करता है।

(c) मानव के मान को धर्म प्रभावित करता है।

(d) मन को प्रभावित करने वाला मानव धर्म है।

ख- रोम का राजा भीषण रोग से पीड़ित हो गया। (1)

(वाक्य में 'कर दिया' का प्रयोग कीजिए।)

(a) रोम के राजा को भीषण रोग ने पीड़ित कर दिया।

(b) रोम के राजा को एक भीषण रोग ने पीड़ित कर दिया।

(c) रोम के राजा को एक भयानक रोग ने पीड़ित कर दिया।

(d) रोम के राजा को रोग ने भयानक पीड़ित कर दिया।

SECTION B

Note - किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक पुस्तक से एक प्रश्न करना अनिवार्य है ।

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ

प्रश्न 5 बोला, "काकी सो रही हैं, उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो? मैं न जाने दूँगा।" (10)

क- किसने बोला था कि "काकी सो रही हैं" और क्यों?

ख- श्यामू द्वारा बड़ा उपद्रव मचाए जाने का क्या कारण था और लोग किसे उठाकर कहाँ लिए जा रहे थे?

ग- बुद्धिमान गुरुजनों ने किसे तथा क्या विश्वास दिलाया?

घ- श्यामू को वास्तविकता का पता कैसे चला?

प्रश्न6- "रमज़ान ने ठंडी साँस भरी। उसने रसीला को ठहरने का संकेत किया और आप कोठरी में चला गया। थोड़ी देर बाद कुछ रुपए रसीला की हथेली पर रख दिए।" (10)

(क) रसीला की उदासी का क्या कारण था?

(ख) रमज़ान की हठ पर जब उसने अपनी उदासी का कारण बताया, तो रमज़ान ने क्या सलाह दी?

(ग) रसीला की बात सुनकर रमज़ान क्या किया?

(घ) पैसे न माँगने पर भी रसीला रमज़ान के सामने आँख क्यों नहीं उठा पाता ?

प्रश्न-7 यज्ञ कमाने की इच्छा से धन-दौलत लुटाकर किया गया यज्ञ, सच्चा यज्ञ नहीं है, नि:स्वार्थ भाव से किया गया कर्म ही सच्चा यज्ञ-महायज्ञ है। क्या आप इसे बेचने को तैयार हैं? (10)

(क)- इस अवतरण से वक्ता की किस सोच का पता चलता है?

(ख)- सेठ द्वारा महायज्ञ को बेचना उचित था या नहीं? अपने विचार लिखिए।

(ग)- इस कथन का वक्ता और श्रोता कौन है ? वक्ता के बारे में क्या अफवाह फैली थी ?

(घ)- सच्चा यज्ञ किसे कहा गया है और क्यों ?

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

प्रश्न 8- किस लड़की की यह कामना नहीं होगी, भैया? लेकिन ... लेकिन उस कामना की पूर्ति के लिए इतनी बड़ी कीमत चुकाना कहाँ तक ठीक है? (10)

क- प्रस्तुत गद्यांश की वक्ता कौन है? वह किसकी पत्नी है? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

ख- वक्ता ने श्रोता को किसकी सौगन्ध दी और उसका क्या कारण था?

ग- यहाँ किस कामना की बात की गई? उसकी पूर्ति के लिए क्या कीमत चुकाई जा रही थी?

घ- क्या वक्ता की कामना पूरी हो सकी? यदि हाँ, तो कैसे? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-9- "मेरी बेटी पहला सावन यहाँ बिताएगी, तुम्हारी बहन के सपने कभी पूरे नहीं होंगे और उसके सपनों के खून का दाग तुम्हारे हाथों और तुम्हारी माँ के आँचल पर होगा।" (10)

क- प्रस्तुत कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं? वक्ता की मानसिकता बताइए।

ख- यहाँ बहन के किस सपने की बात हो रही है? क्या वह वास्तव में सपना होता है?

ग- वक्ता ने बहन के सपने पूरे न हो पाने का जिम्मेदार किन्हें ठहराया और क्यों? क्या वहीं इसके जिम्मेदार हैं?

घ- इस एकांकी में समाज की किस ज्वलंत समस्या की ओर इशारा किया गया है? इस समस्या से समाज मेंक्या स्थिति उत्पन्न हो रही है?

प्रश्न-10. मैं जानती हूँ, तुम उन्हें प्यार करती हो। सोचो तो, कोई तुमसे कहे-तुम अतुल को छोड़ दो, क्योंकि उनकी माँ या उनका परिवार इस विवाह से नाराज़ है, तो क्या तुम, मैं आगे न सुन सकी। मैंने चिल्लाकर कहा, "भाभी, बस करो पर उन्होंने बात पूरी करके दम लिया, बोली, तो क्या तुम उन्हें छोड़ दोगी, बोलो ... |" (10)

(क) उमा वक्ता से मिलने क्यों गई थी?

(ख) वक्ता से मिलने के पश्चात् उमा के हृदय में वक्ता की कैसी छवि अंकित हुई?

(ग) वक्ता का संक्षेप में चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) वक्ता ने उमा से अतुल को छोड़ने के लिए प्रश्न क्यों किया ?

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE